SANSKRITI IAS

sanskritiias.com/hindi/pt-cards/plastic-mixed-handmade-paper

• 2 अगस्त 2021 को भारत के पेटेंट महानियंत्रक बौद्धिक संपदा द्वारा **खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के 'कुमारप्पा राष्ट्रीय हस्तनिर्मित कागज संस्थान' (KNHPI) जयपुर को अपने अभिनव प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज के लिये पेटेंट प्रमाणपत्र जारी** किया गया है।

• प्रकृति से प्लास्टिक के खतरे को कम करने के लिये विकसित **इस कागज को प्रोजेक्ट रिप्लान (REducing PLAstic from Nature) के तहत विकसित किया गया है**। यह भारत में अपनी तरह की पहली परियोजना है, जिसके तहत प्लास्टिक कचरे को डि-स्ट्रक्चर्ड, डिग्रेडेड एवं डाइल्यूट करके कागज बनाते समय पेपर पल्प के साथ उपयोग किया जाता है।

• यह तकनीक दोनों उच्च एवं निम्न घनत्व अपशिष्ट पॉलिथीन का उपयोग करती है, जो कागज को अतिरिक्त मज़बूती प्रदान करने के साथ लागत को 34% तक कम करती है। **यह उत्पाद पुनःचक्रण योग्य एवं पर्यावरणानुकूल है**। के.वी.आई.सी. ने प्लास्टिक मिश्रित हस्तनिर्मित कागज का उपयोग करके कैरी बैग, लिफाफे, फाइल / फोल्डर आदि जैसे कई उत्पाद निर्मित किये हैं।

• यह प्रधानमंत्री के सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरे से निपटने के आह्वान के अनुरूप है। अपशिष्ट-प्लास्टिक मिश्रित हस्तनिर्मित कागज के उत्पादन से स्थायी रोजगार सृजन के साथ पर्यावरण सुरक्षा के दोहरे उद्देश्यों की पूर्ति होने की संभावना है।